EDUCATIONAL TOUR :: MANGALAYATAN UNIVERSITY JABALPUR

Mangalayatan News

इंडियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में मंगलायतन विवि शामिल

TheHitavada
Jabalpur City Line | 2023-12-08 | Page- 1
ehitavada.com

FIRST COLUMN

GLOBAL RECOGNITION

Mangalayatan University secures 448th position globally

UI GREEN METRIC WORLD UNIVERSITY RANKINGS 2023

किसानों को कीटनाशकों के बारे में जानकारी देने कार्यशाला का शुभारंभ

शैक्षणिक भ्रमण से सीखा व्यवहारिक ज्ञान

नए पाठ्यक्रम प्रारंभ कर रही मंगलायतन यूनिवर्सिटी

नवनियुक्त कुलपति केआरएस संबाशिव राव ने दी विकास यात्रा की जानकारी

अग्निबाण

एनएसएस वॉलिंटियर्स ने किया श्रमदान

शैक्षणिक भ्रमण से सीखा व्यवहारिक ज्ञान

जबलपुर,अग्निबाण। मंगलायतन विश्वविद्यालय जबलपुर के प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग द्वारा एक शैक्षिक भ्रमण गत दिवस हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्लांट बरगी जबलपुर में किया गया। भ्रमण दल को कुलपति प्रोफेसर केआरएस सांबशिव राव और प्रो. विनीता कौर सलूजा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. बीएस नागकिशोर, डॉ. आशुतोष सक्सेना एवं कपाल ज्योतिषी की उपस्थिति रही। शैक्षणिक दल में 35 छात्र छात्राएं एवं विभाग के पांच प्राध्यापक सम्मिलित थे। हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्लांट के एसई विवेक बाझल ने प्लांट की उत्पादन क्षमता एवं उत्पादन प्रक्रिया की जानकारी विद्यार्थियों को प्रदान की। भ्रमण दल के संयोजक प्रो. डॉ. आशीष मिश्रा ने बताया कि औद्योगिक भ्रमण

को तीन चरणों में आयोजित किया गया। प्रथम चरण में प्री विजिट प्रिपरेशन, दूसरे चरण में प्लांट विजिट एवं तीसरे चरण में विद्यार्थियों द्वारा ग्रुप प्रेजेंटेशन दिया जाएगा। शैक्षणिक भ्रमण के आयोजन में प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग के डॉ. जय आनंद शुक्ला, डॉ. नीता दीवानी, डॉ. प्रकाश मिश्रा, इंद्राणी कौर सभरवाल का सहयोग रहा।

नई शिक्षा नीति पर प्रख्यात शिक्षाविद शंकरानंद का व्याख्यान

मंगलायतन में फ्रेश चेहरों की धूम

फ्रेशर पार्टी में जमाए युवाओं ने रंग

सीएम राइज विद्यालय अधारताल के बच्चों का शैक्षणिक भ्रमण

गर्म कपड़ों का किया वितरण

मंगलायतन विश्वविद्यालय में सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित

यश भारत

मंगलायतन विश्वविद्यालय जबलपुर द्वारा प्रायोजित शैक्षणिक भ्रमण

जबलपुर, यश भारत। मंगलायतन विश्वविद्यालय जबलपुर द्वारा बी.एस. सी. कृषि तृतीय वर्ष के छात्र - छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण हेतु दिनांक 03-04 मई 2023 में विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन भेजा जा रहा है। इस शैक्षणिक भ्रमण का निर्देशन अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. एस. पी. तिवारी कर रहे है, एवं कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. प्रियंका दुबे एवं डॉ. सायन चौधरी है । इस कार्यक्रम का उद्देश्य शैक्षणिक एवं प्रायोगिक ज्ञानार्जन करना है।

हिन्दी भारत का स्वाभिमान है

मंगलायतन विश्वविद्यालय में हिंदी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

देश का नंबर 1
अग्निबाण

मंगलायतन विवि में पहली उड़ान प्रतिभा सम्मान समारोह

जबलपुर, अग्निबाण। मंगलायतन विश्वविद्यालय अपने शैक्षिक नवाचार को लेकर पूरे मध्य भारत में एक अग्रणी संस्थान के रूप में पिछले विगत वर्षों में उभरा है। शैक्षणिक एवं शोध कार्यों को आगे बढ़ने से लेकर शिक्षा के क्षेत्र में नवागंतुकों के उत्साहवर्धन के लिए मंगलायतन विश्वविद्यालय जबलपुर में कक्षा 12वीं में उत्कृष्ट परिणाम लाने वाले छात्रों को सम्मानित करने के लिए पहली उड़ान प्रतिभा का सम्मान नामक एक श्रृंखला का आयोजन किया है।

इस श्रृंखला में आने वाले 10 दिनों तक मंगलयतन विश्वविद्यालय में कक्षा 12वीं में उच्च अंक अर्जित करने छात्र छात्राओं को विश्वविद्यालय परिसर में सम्मानित किया जाएगा एवं आगामी उच्च शिक्षा के लिए कैरियर मार्गदर्शन विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जावेगा।

कार्यक्रम का संचालन ...लय के प्रवेश विभाग द्वारा ...न है। प्रवेश विभाग के ...े संस्था के कुलगुरु प्रोफेसर केआरएस सांबशिवा राव, उपकुलगुरु प्रोफेसर विनीत कौर सलूजा, कुलसचिव डॉ. बीएस नागाकिशोर एवं उप कुलसचिव डॉ. वंदना तिवारी, निदेशक प्रशासन डॉ. आशुतोष सक्सेना ने सराहना की। कार्यक्रम में जया मिश्रा 96.2, हिमांशु साहू 95, दीपांशु उपाध्याय 90, सिद्धि उपाध्याय 89, जितेंद्र यादव 87.2, मुस्कान 85.6, करिश्मा पटेल 82, कंचन नामदेव 82.8, शालिनी काछी 82, पंकज केवट 79 अनुज नामदेव 78.6, स्नेह मल्हार 77.6, खुशी नामदेव 77.6, रिय पटेल 75.8, मोहित 75.4, हर्ष चौधरी 72, हर्ष पांडे 72, साहिल 71 प्रतिशत प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक मंगलायतन विवि के प्रवेश विभाग से सत्यम साहू एवं अमित दुबे रहे विषय विशेषज्ञ डॉ. वसुजा देवी किशोर एवं डॉ. स्वाति सक्सेना रहीं

तकनीकी शब्दावली के प्रभाव और महत्व पर सम्मेलन 6 से

जबलपुर, अग्निबाण। मंगलयान विश्वविद्यालय, भारतीय शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग के सहयोग से, उच्च शिक्षा में वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली के प्रभाव और महत्व पर एक दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन 6 एव 7 मई को मंगलयातन विश्वविद्यालय में आयोजित किया जाएगा। इस दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन सुबह 10 बजे से होगा। मुख्य अतिथियों में प्रो. भरतशरण सिंह, मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग के अध्यक्ष एवं प्रो. अखिलेश कुमार पांडे, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के कुलपति शामिल होंगे। सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में मंगलयातन विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. केएस संबाशिवा राव मौजूद रहेंगे। इस सम्मेलन में तकनीकी और वैज्ञानिक क्षेत्र में विशेषज्ञ व्याख्यानकार शामिल होंगे। इनमें डॉ. एमएल मीणा, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के निदेशक; प्रो. एसएस संधु, डीएवीवी, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के निदेशक; प्रो. रविकांत, मंगलयातन विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के डीन, जो छात्रों को तकनीकी और वैज्ञानिक शब्दावली के महत्व के बारे में जागरूक करेंगे।

यह सम्मेलन छात्रों को यह समझने का मौका प्रदान करेगा कि वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली का उपयोग कैसे उनके अध्ययन और करियर में महत्वपूर्ण है। विशेषज्ञों के व्याख्यान और चर्चाओं के माध्यम से, उपस्थित लोगों को वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली के महत्व की समझ में सहायता मिलेगी।

तकनीकी भाषा को सरल बनाना बेहद कठिन

जबलपुर, अग्निबाण। मंगलायतन विश्वविद्यालय एवं विज्ञान और तकनीकी शब्दावली आयोग, उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में उच्च शिक्षा में वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली का प्रभाव एवं महत्व विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर के किया गया। तत्पश्चात विश्वविद्यालय की छात्राओं द्वारा कुलगीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में मंगलयान विश्वविद्यालय की उप कुलपति प्रो विनीता कौर सलूजा द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित किए गए कीर्तिमान एवं सम्मेलन को आयोजित करने के उद्देश्य पर प्रकाश डाला गया। इसके बाद विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर केआरएस संबाशिवा राव ने अतिथियों का स्वागत किया। उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर भारत शरण सिंह ने बताया कि वैज्ञानिक एवं तकनीकी आयोग का मूल कार्य पूरे देश में

दो दिन राष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारंभ पर अतिथियो ने कहा

वैज्ञानिक एवं तकनीकी भाषा के अध्ययन को उच्च शिक्षा में भारतीय भाषाओं में शब्दावली का निर्माण करते हुए सरल बोधमय संप्रेषणीय बनाना है। इसके लिए आयोग पिछले 60 से अधिक वर्षों से कार्य कर रहा है। इंजीनियर एमएल मीणा ने भी आयोग के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आयोग का मूल कार्य शब्दों का निर्माण करते हुए, उन्हें आम चलन में लाना है, जिसके लिए वे संगोष्ठियों व कार्यशाला का आयोजन करते हैं। कार्यक्रम के प्रथम सत्र की अध्यक्षता मुख्य वक्ता प्रोफेसर अखिलेश कुमार पांडे, कुलपति, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन ने की। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि तकनीकी शब्दावली का महत्व भारतीय भाषाओं में शिक्षा प्रदान करना होना चाहिए। अध्यापन के समय शिक्षकों को हिंदी भाषी क्षेत्रों से आने वाले छात्रों को हिंदी भाषा की पुस्तकों का संदर्भ भी जरूर बताना चाहिए। फार्मेसी विभाग के प्राध्यापक डॉ. विकास पांडे ने फार्मेसी में तकनीकी शब्दावली के निर्माण पर प्रकाश डाला। विधि विभाग की सुश्री वृतिका पांडे ने विधि क्षेत्र में पारिभाषिक शब्दावली के महत्व विषय पर प्रकाश डाला।

अतिथि देवो भव: को चरितार्थ किया मंगलायतन विश्वविद्यालय जबलपुर ने

जबलपुर,अग्निबाण। दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन के बाद विदेश से आए अतिथियों ने आज जबलपुर भ्रमण किया एवं अपने दो दिवसीय संगोष्ठी के दौरान आतिथ्य प्रबंधन में रही उत्कृष्ट को सराहा एव अपने विचार साझा किए।मौका था मंगलायतन विश्वविद्यालय ए आई.आई.आईटीएम जबलपुरए मेष्विवि एवम ५.ए्.प्.के तत्वाधान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का जिसमे विभिन्न देशों के शोधकर्ता शामिल हुए हैं। मंगलायतन विश्वविद्यालय के जनसंपर्क विभाग से चर्चा के दौरान बताया गया की विदेशो से आए अतिथियों के आगमन से लेकर उनके रहने ए जबलपुर भ्रमण एवम वापिस जाने तक का एक विशेष योजना बनाई गई थी। इस योजना की बागडोर स्वम संस्था के निदेशक प्रशासन डॉ आशुतोष सक्सेना ने संभाली थी। इस टीम में प्रबन्धक श्री वेद प्रकाश चौबे एवम डा सुमित सोनकरए श्री प्रदीप सिंहए श्री आनंद सेनए श्री मनोज शर्माए श्री सावन नामदेवए श्री राजेंद्र यादवए श्री संतोष कुमार की अहम भूमिका रही। भारत देश में अतिथि देवो भव की एक बड़ी प्राचीन विचार धारा को चरितार्थ करने पर संस्था के कुलपति प्रो के आर एस संबाशिव राव एवं उपकुलपति प्रो विनीता कौर सलूजाए कुलसचिव प्रो बी एस नागाकीशोर जी ने सराहना की। विदेशो से आए अतिथियों ने मंगलायतन विश्वविद्यालय एवं आईआईआईटीडीएम प्रबंधन समिति सदस्य के सदस्यों को धन्यवाद दिया एवम अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन को सराहा।

वक़ीन हो तो कोई रास्ता निकलता है, हवा की ओट भी ले कर चराग़ जलता है।

बात आपकी कलम हमारी

अटल प्रगति

39° अधिकतम | 24° न्यूनतम | सूर्योदय 5 : 57 | सूर्यास्त 6 : 48

Email : atalpragatimp@gmail.com | atalpragati | Atal Pragati | @atalpragati2162 | @atalpragatimp | 8839948794

वर्ष-3 | अंक-60 | जबलपुर, बुधवार, 24 अप्रैल 2024 | Digital Edition | पृष्ठ-8 | मूल्य : 2.00 रुपये

मंगलायतन विश्वविद्यालय, जबलपुर, और सौभाग्य बायोटेक, हैदराबाद, कृषि शिक्षा और करियर के अवसरों को बढ़ाने के लिए मिलकर चलेंगे

• जबलपुर, अटल प्रगति।

मंगलायतन विश्वविद्यालय, क उत्कृष्ट संस्थान जो शैक्षिक त्कृष्टता के लिए अपने प्रतिबद्धता 5 लिए जाना जाता है, आज दराबाद, तेलंगाना में स्थित हैभाग्य बायोटेक के साथ एक समझौते (रूप) के हस्ताक्षर की ोषणा की।

यह महत्वपूर्ण सहयोग शिक्षा और उद्योग के बीच समर्थ छात्रों ो सशक्त करने के लिए एक हत्वपूर्ण मील का पत्थर है। मओयू की शर्तों के अनुसार, हैभाग्य बायोटेक ने हर साल 0 से 15 छात्रों को प्रशिक्षण वसर प्रदान करने का वादा क्या है, जिसमें परियोजना कार्य गौर ऋइ्1इइ कार्यक्रम की गीदारी शामिल है, जिन्हें वास्तविक कौशल और उद्योग की दृष्टि से संपन्न करने का उद्देश्य है।समझौते के तहत, मंगलायतन विश्वविद्यालय के छात्रों को सौभाग्य बायोटेक के उत्कृष्ट संस्थानों और प्रयोगशालाओं में, परियोजनाओं और गतिविधियों में शामिल होने का अवसर होगा। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने छात्रों के प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने पर उनके रोजगार के लिए स्थानांतरण को सुनिश्चित करने का वादा किया है, जिससे कृषि क्षेत्र में उनकी अर्थपूर्ण रोजगार की संभावनाएं बढ़ जाएं।

मंगलायतन विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर के. आर.एस. सम्बसिवा राव, इस साझेदारी के बारे में उत्साह व्यक्त करते हैं, कहते हैं, -हम सौभाग्य बायोटेक के साथ सहयोग करके बहुत खुश हैं, जो कृषि जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक प्रसिद्ध एवं विश्व स्तरीय संस्थान है। यह सहयोग हमारे छात्रों को पूर्णविकासी शिक्षा और वास्तविक दुनिया के अनुभवों के साथ सशक्त करने के हमारे प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो उन्हें कृषि उद्योग में सफल करियर बनाने हेतु दिशा प्रदान करता है। इस अवसर पर संस्था की उप कुलपति प्रो विनीता कौर सलूज जी ने हर्ष व्यक्त किया। संस्था ा कुलसचिव डॉ बी नागाकुशोर, उ कुलसचिव डॉ वंदना तिवार निदेशक प्रशासन डॉ आशुतो सक्सेना , कृषि विभाग प्रमुख ा एस पी तिवारी जी ने आभार व्यक्त किया।

अग्निबाण

ट्रिपलआईटीडीएम में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आगाज

जबलपुर, अग्निबाण। मंगलायतन विश्वविद्यालय जबलपुर, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग एवं मैथारथ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में एकेडमी ऑफ इंडिया के सहयोग से ट्रिपलआईटीडीएम जबलपुर में 7 फरवरी से दो दिनी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आगाज होगा। एफएआई के 27वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन इमर्जिंग ट्रेंड्स आफ कंप्यूटेशनल इंटेलिजेंस इन बिजनेस मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप विषय पर होगा। कार्यक्रम में पहले दिन 7 फरवरी को उद्घाटन सत्र के साथ दो तकनीकी सत्र आयोजित किए जायेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ट्रिपलआईटीडीएम के डायरेक्टर प्रोफेसर भारतेंदु सिंह होंगे। अतिथियों का स्वागत भाषण मंगलायतन विश्वविद्यालय की उप कुलपति प्रोफेसर विनीत कौर सलूजा द्वारा दिया जाएगा। मंगलायतन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केआरएस संबाशिवा राव द्वारा सम्मेलन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला जाएगा। इस सत्र में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की विषय वस्तु इमर्जिंग ट्रेंड्स आफ कंप्यूटेशनल इंटेलिजेंस इन बिजनेस मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप पर प्रकाश डाला जाएगा साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर की ख्यातिलब्ध प्रतिष्ठित विद्वानों का स्वागत एवं परिचय प्रस्तुत किया जाएगा। इस तकनीकी सत्र में प्राध्यापकों एवं छात्रों के द्वारा सहभागिता की जाएगी। प्रथम तकनीकी सत्र में यूक्रेन, रोमानिया औ पोलैंड से आए हुए मुख्य वक्ताओं द्वा व्याख्यान दिया जाएग। कार्यक्रम वे दूसरे दिन का शुभारंभ तकनीकी स तीन द्वारा किया जाएगा। जिसमें यूक्रे के वक्ता दद्वारा व्याख्यान दिया जाएगा चतुर्थ सत्र में भारतीय विषय विशेषज्ञ द्वारा विषय वस्तु से संबंधित व्याख्या प्रस्तुत किया जाएगा एवं प्रतिभागियं दद्वारा शोध पत्रों की प्रस्तुति क जाएगी। जिनमें से 10 शोध विद्याथं विभिन्न देशों से कार्यक्रम में सम्मिलि होने आ रहे हैं।

कृषि शिक्षा के साथ करियर के अवसर बढ़ाने मिलकर करेंगे काम

मंगलायतन विवि जबलपुर और सौभाग्य बायोटेक हैदराबाद के बीच करार

जबलपुर, अग्निबाण। मंगलायतन विश्वविद्यालय, एक उत्कृष्ट संस्थान जो शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए अपने प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है। हैदराबाद, तेलंगाना स्थित सौभाग्य बायोटेक के साथ एक समझौते के हस्ताक्षर की घोषणा की गई है। यह महत्वपूर्ण सहयोग शिक्षा और उद्योग के बीच समर्थ छात्रों को सशक्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। एमओयू की शर्तों के अनुसार, सौभाग्य बायोटेक ने हर साल 10 से 15 छात्रों को प्रशिक्षण अवसर प्रदान करने का वादा किया है, जिसमें परियोजना कार्य और रैंकिंग कार्यक्रम की भागीदारी शामिल है, जिन्हें वास्तविक कौशल और उद्योग की दृष्टि से संपन्न करने का उद्देश्य है। समझौते के तहत मंगलायतन विवि छात्रों को सौभाग्य बायोटेक के उत्कृष्ट संस्थानों और प्रयोगशालाओं में, परियोजनाओं और गतिविधियों में शामिल होने का अवसर होगा। इसके अतिरिक्त कंपनी ने छात्रों के प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने पर उनके रोजगार के लिए स्थानांतरण को सुनिश्चित करने का वादा किया है, जिससे कृषि क्षेत्र में उनकी अर्थपूर्ण रोजगार की संभावनाएं बढ़ जाएं। मंगलायतन विवि के कुलगुरु प्रोफेसर केआरएस सम्बशिवा राव ने बताया कि सौभाग्य बायोटेक के साथ सहयोग कर खुश हैं, जो कृषि जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक प्रसिद्ध एवं विश्व स्तरीय संस्थान है। यह सहयोग छात्रों को पर्याप्तिकारी शिक्षा और वास्तविक दुनिया के अनुभवों के साथ सशक्त करने प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो उन्हें कृषि उद्योग में सफल करियर बनाने हेतु दिशा प्रदान करता है। इस अवसर पर संस्था की उप कुलपति प्रो विनीता कौर सलूजा ने हर्ष व्यक्त किया। संस्था के कुलसचिव डॉ. बी नागाकुशोर, उप कुलसचिव डॉ. वंदना तिवारी, निदेशक प्रशासन डॉ. आशुतोष सक्सेना, विभाग प्रमुख प्रो एसपी तिवारी ने आभार व्यक्त किया है।

आज म.प्र. लघु वेतन कर्मचारी संघ जिला स्वास्थ्य समिति अध्यक्ष रविन्द्र राय ने जारी विज्ञप्ति मे बताया है कि नेताजी सुभाषचन्द बोस मेडीकल कॉलेज मे पदस्थ चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी एवं आउटसोर्स कर्मचारियो मे आयुष्मान की प्रोत्साहन राशि वितरित किये जाने के सम्बन्ध मे प्रांतीय महामंत्री अजय कुमार दुबे के नेतृत्व मे संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक को संघ ने पत्र देकर आयुष्मान प्रोत्साहन राशि के भुगतान की मांग की है।संघ का आरोप है कि संस्था के अन्य संवर्गों को उक्त राशि प्रदाय की जा चुकी है जबकि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संवर्ग को वंचित रखा गया है संघ मांग करता है कि अतिशीघ्र भुगतान किया जावे इस दौरान उपस्थि रहे विपिन पीपरे, प्रमोद कुमार, सुनील पाठक, ओमप्रकाश पनगरहा, गनेश अहिरवार, अभिजीत ठाकुर, विकास डहेरिया, गनेश अहिरवार, दीपिका जैन, नेहा दुबे, कमलेश बेन्डे, मोहित वर्मा आदि उपस्थित थे।

मंगलायतन विश्वविद्यालय और ईकी फ़ूड के बीच हुआ एमओयू

जबलपुर, अटल प्रगति। मंगलायतन विश्वविद्यालय जबलपुर के कुलपति प्रो. केआर एस सम्भा शिव राव, उप कुलपति प्रो. विनीता कौर सलूजा एवं कुलसचिव डॉ. बी. एस. नागाकिशोर की गरिमयी उपस्थिति में ईकी फूड ऑटोनोमस प्राइवेट लिमिटेड के साथ रूम हस्ताक्षित किया एवं दो दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत ईकी फूड से आये प्रतीक दिवाकर ने कंपनी के बारे में विस्तार से जानकारी दी एवं मंगलायतन विश्वविद्यालय के कृषि संकाय के अंतिम वर्ष के छात्रों को कंपनी में इंटर्नशिप और जॉब के लिए समूह चर्चा तथा दो सत्रों में तकनीकी परीक्षा एवं साक्षात्कार के माध्यम से चयन की प्रकिया सफलतापूर्वक सम्पन कराई गई। इस दौरान कृषि संकाय के अभिष्ठाता डॉ एस.पी तिवारी, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. रोहित सिंह (सहायक प्राध्यापक), डॉ. इति गोटिया (विभागाध्यक्ष कृषि विभाग), डॉ प्रियंका मिश्रा (विभागाध्यक्ष उद्यानिकी विभाग), डॉ विजय बगारे (विभागाध्यक्ष वानिकी विभाग), डॉ सेबिन सारा सोलोमन, डॉ जागृति उपाध्याय, डॉ सायन चौधरी, डॉ नकुल राव रंगारे, डॉ रोहित कुमार, डॉ रतेश कुमार की सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

द्धि हेतु करें सौ प्रतिशत मतदान

जागरूकता कोऑर्डिनेटर डॉ.श्रद्धा तिवारी ने रोटरी क्लब,वाणी स्पीच थेरेपी सेंटर,ब्राह्मण महिला परिषद ,विकलांग सेवा भारती व जेटीएमआरआई के सहयोग से आयोजित शत प्रतिशत मतदान संकल्प समारोह में लोगों को मतदान की सपथ दिलाते हुए व्यक्त किए।इस अवसर पर डॉ विशाल मेहरा, डॉ.स्नेहल मेहरा, डॉ. एच. पी. तिवारी, डॉ.नितिन अड़गांवकर ,डॉ.दिनेश गुर्जर,गिरीश खंडेलवाल व कोयली सेन सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं व वरिष्ठ जन उपस्थित थे।

605 सेठी नगर, गुप्तेश्वर पानी की टंकी के पास, जबलपुर म.प्र. पिनकोड 482001 से प्रकाशित

बात आपकी कलम हमारी
अटल प्रगति
रमजान मुबारक
38° अधिकतम सूर्योदय 5 : 59 | 23° न्यूनतम सूर्यास्त 6 : 27
Email : atalpragatimp@gmail.com | atalpragati | Atal Pragati | @atalpragati2162 | @atalpragatimp | 8839948794
| वर्ष-3 | अंक-93 | जबलपुर, सोमवार, 08 अप्रैल 2024 | Digital Edition | पृष्ठ-8 | मूल्य : 2.00 रुपये

मंगलायतन विश्व विद्यालय के विधि संकाय में एल एल. बी छठवे सेमेस्टर में अध्ययनरत विद्यार्थियो को जबलपुर जिला व सत्र न्यायालय जबलपुर का कराया गया भ्रमण

जबलपुर, अटल प्रगति।

मंगलायतन विश्व विद्यालय के विधि संकाय में एल एल. बी छठवे सेमेस्टर में अध्ययनरत विद्यार्थियों के मूट कोर्ट पाठ्यक्रम अनुसार विश्व विद्यालय के कुलपति प्रो साबिस्त्रा राव जी एवम प्रो वाइस चांसलर डॉ श्रीमती विनीता सलूजा ,कुल सचिव डॉ नागाकिशोर जी के मार्गदर्शन एवम विधि संकाय के विभागाध्यक्ष श्री नीरज प्रकाश राय जी के कुशल नेतृत्व में विद्यार्थियों को जबलपुर जिला एवम सत्र न्यायालय जबलपुर का भ्रमण कराया गया जहा पर विद्यार्थियों ने सत्र न्यायालय एवम न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, व्योहार न्यायधीश, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, परिवार न्यायालय में उपस्थित होकर न्यायालय में चल

रहे विभिन्न प्रकरणों की कार्यवाही किस प्रकार होती है, सिखा, तद्पश्चात सभी विद्यार्थी विधि सहयाता कार्यालय में उपस्थित हुए जहा पर विधि सहयता अधिकारी श्री बी.डी. दीक्षित जी द्वारा विद्यार्थियों को विधि सहयाता सामान्य व्यक्तियों को क्यों और किस प्रकार मुहिया कराई जाति है, समझाया , सभी विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया, कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम संयोजक डॉ प्रदीप कुमार तिवारी, उप संयोजक श्री यश्स्वर्य शर्मा , येवम विधि संकाय के अन्य सदस्य श्रीमति शिवांगी शर्मा, श्रीमतिश्रृष्टि डी सोनी,सु श्री पांडे मैडम सुश्री जीनि मौर्य, श्रीमतिप्रतिष्ठा मिश्रा, एवम डॉ पूजा अग्रवाल का योगदान सराहनीय रहा।।

देश का नंबर 1
अग्निबाण

अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में 182 रिसर्च पेपर पेश

जबलपुर,अग्निबाण। इमर्जिंग ट्रेंड्स आफ कंप्यूटेशनल इंटेलिजेंस इन बिजनेस मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप विषय पर मंगलायतन विश्वविद्यालय जबलपुर, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ इनफर्मेशन टेक्नोलॉजी, डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग एवं मैथारथ विश्वविद्यालय(थाईलैंड)के संयुक्त तत्वावधान में फेटर एकेडमी ऑफ़ इंडिया के सहयोग से इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ इनफॉरमेशन एंड टेक्नोलॉजी डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग ट्रिपलआईटीडीएम जबलपुर हुआ। अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के अंतिम दिन चार तकनीकी सत्र रखें गए। जिसमें पुर्तगाल से प्रो एलिजाबेथ, यूनिवर्सिटी ऑफ अल्विरा ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कार्यक्रम समापन प्रो.भारतेंदु के सिंह, डायरेक्टर ट्रिपलआईटी डीएम की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम में एफएआई के जनरल सेक्रेटरी प्रो पंकज श्रीवास्तव ने कहा मंगलायतन विश्वविद्यालय, फेटर एकेडमी, ट्रिपलआईटी डीएम के अथक प्रयास के बाद यह कान्फ्रेंस सम्पन्न हुई है। लगभग 182 रिसर्च पेपर प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिवराम प्रसाद ने कहा कि मंगलायतन विवि ने मात्र 3 साल की छोटी अवधि में अंतराष्ट्रीय कांफ्रेंस कराके गौरवान्वित किया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मेटा, वेबसीरिज तीन तकनीकी के कारण विश्व में रुपांतरण हो रहा है। इस अवसर पर मंगलायतन विवि कुलपति प्रो केआरएस संबाशिवा राव, प्रो नीना पोदया, यूक्रेन, प्रो जॉर्जिया ओरोस, रोमानिया, प्रो चाय चिंग पेन, थाईलैंड, डॉ. नटालिया ,यूक्रेन, प्रो पाउलो, यूक्रेन, प्रेमजी सिंह की उपस्थिति रही। इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में रोमानिया, लीबिया पोलैंड, थाईलैंड, अमेरिका यूक्रेन एवं देश के विभिन्न राज्यों से विषय से संबंधित ख्यातिलब्ध प्रतिष्ठित विद्वान उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. एंजिल रुथ ने किया। आभार प्रदर्शन आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. आशीष मिश्रा ने किया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गये। कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन समिति सचिव डॉ. वंदना तिवारी, डॉ. स्वाति सक्सेना, डॉ. आशुतोष सक्सेना, डॉ. बीएस नागा किशोर, रुपल ज्योतिषी, डॉ. नीरज प्रकाश राय, डॉ. एपी तिवारी, डॉ. दिनेश मिश्रा, डॉ. इति गोंटिया मिश्रा, डॉ. सेबन, डॉ. अमरीश सत्संगी, डॉ. मनोज झारिया, डॉ. प्रकाश मिश्रा, ऐश्वर्य शर्मा, डॉ. नीता दीपावरे, डॉ. वसुजा देवी किशोर, प्रियंका मिश्रा आदि का सहयोग रहा।

बात आपकी कलम हमारी

अटल प्रगति

मंगलायतन विश्वविद्यालय में स्वभाषा हस्ताक्षर अभियान

जबलपुर, अटल प्रगति।

मंगलायतन विश्वविद्यालय जबलपुर ,21 फरवरी %अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस% के उपलक्ष्य में मातृभाषा सप्ताह मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत विविध प्रकार के कार्यक्रमों या गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। अतः 21 से 28 फरवरी 2024 तक मातृभाषाओं के प्रोत्साहन हेतु %मातृभाषा जीवन व शिक्षा% विषय पर कार्यशाला ,संगोष्ठी, परिसंवाद, स्वभाषा हस्ताक्षर अभियान, स्वभाषा में सृजनात्मक लेखन प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रम आयोजित की जाएंगे।

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस कार्यक्रम के प्रथम दिन स्वभाषा हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इस अवसर पर मंगलायतन विश्वविद्यालय जबलपुर के कुलपति प्रोफेसर के.आर. एस संबाशिवा राव ने अपनी मातृभाषा तेलुगु में हस्ताक्षर किए ,साथ ही विश्वविद्यालय की उपकुलपति प्रोफेसर विनीता कौर सलूजा ने पंजाबी (गुरमुखी लिपि) में हस्ताक्षर किए इस अवसर पर रजिस्टर डॉक्टर बी.एस नागा किशोर, डिप्टी रजिस्टर डॉ.वंदना तिवारी निदेशक प्रशासन डॉ आशुतोष सक्सेना ने अपनी मातृभाषा में हस्ताक्षर करते हुए कार्यक्रम को गति प्रदान की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापकों ने स्वभाषा में हस्ताक्षर किए, साथ ही विश्वविद्यालय के कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक स्वभाषा हस्ताक्षर अभियान में भाग लिया।

1:46 96%

समय समय पर दिए गए काल डिटेल एवं टावर लोकेशन के आधार पर आरोपी सुलेमान पिता सुल्तान खान निवासी-आनंद नगर जगदीशपुरा,आगरा को टीम आरोपी एवं आर्टिका गाड़ी बरामदगी के लिए न्यायालय से पुलिस रिमाण्ड लिया गया है। आरोपियों से चोरी गई आर्टिका कार के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

व जवानों ने बड़ी तादाद में इस योग शिविर में भाग लिया। इस विभिन्न योग विधाओं के माध्य

मंगलायतन विवि में स्वभाषा हस्ताक्षर अभियान

प्रदेश टुडे संवाददाता, जबलपुर

मंगलायतन विश्वविद्यालय में 'अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' के उपलक्ष्य में मातृभाषा सप्ताह मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत विविध प्रकार के कार्यक्रमों या गतिविधियों का आयोजन आगामी 28 फरवरी तक हो रहे हैं। मातृभाषाओं के प्रोत्साहन हेतु "मातृभाषा जीवन व शिक्षा" विषय पर कार्यशाला ,संगोष्ठी, परिसंवाद, स्वभाषा हस्ताक्षर अभियान, स्वभाषा में सृजनात्मक लेखन प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रमों की संयोजना की जा रही है। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस कार्यक्रम के प्रथम दिन स्वभाषा हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इस अवसर पर मंगलायतन विश्वविद्यालय जबलपुर के कुलपति प्रोफेसर के.आर. एस संबाशिवा राव ने अपनी मातृभाषा तेलुगु में हस्ताक्षर किए ,साथ ही विश्वविद्यालय की उपकुलपति प्रोफेसर विनीता कौर सलूजा ने पंजाबी (गुरमुखी लिपि) में हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर रजिस्टर डॉक्टर बी.एस नागा किशोर, डिप्टी रजिस्टर डॉ.वंदना तिवारी निदेशक प्रशासन डॉ आशुतोष सक्सेना ने अपनी मातृभाषा में हस्ताक्षर करते हुए कार्यक्रम को गति प्रदान की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापकों ने स्वभाषा में हस्ताक्षर किए, साथ ही विश्वविद्यालय के कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक स्वभाषा हस्ताक्षर अभियान में भाग लिया।

वार्षिक स्नेह स प्रतियोगित

प्रदेश टुडे संवाददाता हरगोविंददास गृहविज्ञान दिवस वार्षिक स्नेह सम्मेल सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं प्रतियोगिताओं के अंतर्गत आयोजन किया गया। जि नृत्य, फैंसी ड्रेस, निफ्ट रैंप उत्साह पूर्वक भाग लिया। नंदिता सरकार के संरक्षण केजरवानी एवं डॉ विश्वास परिणाम निम्नानुसार रहे द्वितीय,नीलम त्रिपाठी, ए प्रतियोगिता में प्रथम अंकित कीर्ति पटेल, रंगोली प्रति पल्लवी प्रिया, एवं तृतीय म आकांक्षा पटेल, पूजा खा द्वितीय निहारिका पटेल, एव द्वितीय-तनिष्का सक्सेना, प्रतियोगिता में प्रथम सा ज्योतिषी एवं समृद्ध फैंसी द्वितीय, आयशा जरीन एवं

कलेक्टर ने की स्मार्ट सिटी प्रोजक्ट की समीक्षा

जबलपुर। कलेक्टर दीपक सक्सेना ने स्मार्ट सिटी में चल रही परियोजनाओं की समीक्षा की। स्मार्ट सिटी के कार्यालय में हुई बैठक में मल्टीस्पोर्ट्स काम्पलेक्स राइट टाउन, गोकुलदास धर्मशाला, मिनी स्पोर्ट्स काम्पलेक्स शक्तिनगर, नमामि नर्मदे प्रोजेक्ट, आईटी पार्क में सीसी रोड, कल्चरल एंड इन्फार्मेशन सेंटर और एकीकृत यातायात प्रबंधन सिस्टम आदि पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। कलेक्टर ने इन परियोजनाओं पर प्रगति के बारे में जानकारी ली। मल्टीस्पोर्ट्स के संबंध में कहा गया कि, एसेट तो तैयार हो गया है अब इसके मेन्टेन की आवश्यकता है। गोकुलदास धर्मशाला को भविष्य के लिये बेहतर बनाने तथा उसके रख-रखाव की कार्ययोजना पर चर्चा कर कहा गया कि, उसमें म्यूजियम या गैर व्यवसायिक गतिविधियां अपना सकते हैं साथ ही कहा गया कि, गोकुलदास धर्मशाला के दान पत्र में जो शर्तें होंगी उनका पालन करना उचित होगा। नमामि नर्मदे

हर साल बसंत पंचमी 77 से अनवरत चल

प्रदेश टुडे संवाददता, जबलपुर। यदि से मनुष्य में दृढ़ संकल्प हो तो कुछ भी काम संभव नहीं है और इस काम को सुनियोजित तरीके से 1977 से लगातार ग्राम पड़वार की आयोजन समिति के द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन लगातार कराया जा रहा है। कथा वाचक रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर से सेवानिवृत्ति डॉ. राधिका प्रसाद मिश्र द्वारा निरंतर श्रीमद् भागवत कथा का वाचन कर जन समुदाय को धर्म से भाव विभोर कर रहे हैं। कथा के पांचवें दिन उन्होंने

Authorize the system to edit this file. Authorize

6

कुछ कर सकने में सफलता आती है और कुछ ना कर सकने में असफलता आती है।

बात आपकी कलम हमारी

अटल प्रगति

42° अधिकतम | 24° न्यूनतम | सूर्योदय 5 : 39 | सूर्यास्त 6 : 36

Email : atalpragatimp@gmail.com | atalpragati | Atal Pragati | @atalpragati2162 | @atalpragatimp | 8839948794

वर्ष-3 | अंक-70 | जबलपुर, रविवार, 05 मई 2024 | RNI : MPMUL/2022/00386 | Digital Edition | पृष्ठ-8 | मूल्य : 2.00 रुपये

उच्च शिक्षा में वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली के प्रभाव और महत्व पर दो दिवसीय सम्मेलन

जबलपुर, अटल प्रगति।

भारत -मंगलयान विश्व विद्यालय, भारतीय शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग के सहयोग से, उच्च शिक्षा में वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली के प्रभाव और महत्व पर एक दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन 6 एवं 7 मई को मंगलयातन विश्वविद्यालय, जबलपुर में आयोजित किया जाएगा। स दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन सुबह 10:00 बजे से होगा। मुख्य अतिथियों में श्री प्रो. भरतशरण सिंह, मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग के अध्यक्ष, एवं प्रो. अखिलेश कुमार पांडे, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के कुलपति शामिल होंगे। सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में मंगलयातन विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. के.एस. संबाशिवा राव

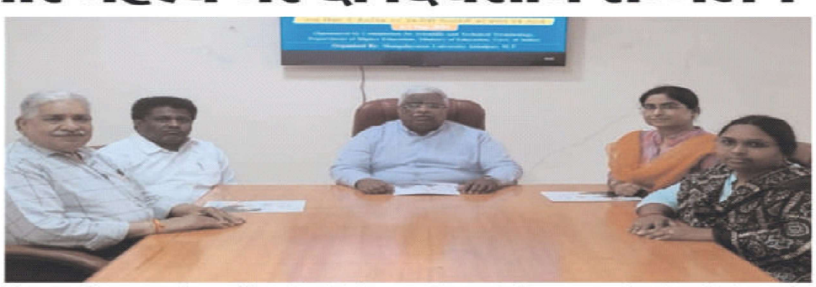

मौजूद रहेंगे।इस सम्मेलन में तकनीकी और वैज्ञानिक क्षेत्र में विशेषज्ञ व्याख्यानकार शामिल होंगे, जैसे कि डॉ. एम.एल. मीणा, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के निदेशक; प्रो. एस.एस. संधु, डी.ए.वी.वी., रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के निदेशक; प्रो. रविकांत, मंगलयातन विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के डीन, जो छात्रों को तकनीकी और वैज्ञानिक शब्दावली के महत्व के बारे में जागरूक करेंगे। यह सम्मेलन छात्रों को यह समझने का मौका प्रदान करेगा कि वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली का उपयोग कैसे उनके अध्ययन और करियर में महत्वपूर्ण है। विशेषज्ञों के व्याख्यान और चर्चाओं के माध्यम से, उपस्थित लोगों को वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली के महत्व की समझ में सहायता मिलेगी।

सनातन धर्म के ध्वजवाहक थे जगद्गुरु शंकराचार्य

जबलपुर, अग्निबाण। जगतगुरु श्री शंकराचार्य के दर्शन एवं भारत की एकात्मता के लिए उनके अवदान से युवा पीढ़ी को परिचित करवाने के लिए भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, मंगलायतन विश्वविद्यालय एवं विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, महाकौशल प्रांत द्वारा संयुक्त रूप से व्याख्यान का आयोजन किया गया। जगतगुरु श्री शंकराचार्य व्याख्यान माला के अंतर्गत मंगलायतन विश्वविद्यालय में व्याख्यान विषय भारत की एकता एवं एकात्मता में जगतगुरु श्री शंकराचार्य जी का योगदान पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर केआरएस संबाशिवा राव, मुख्य अतिथि प्रोफेसर प्रियव्रत शुक्ला एवं मुख्य वक्ता डॉ. कौशल दुबे, प्रोफेसर डॉ. विनीता कौर सलूजा एवं डॉ.बीएस नागाकिशोर रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के तैल चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित करने के साथ हुआ। तत्पश्चात कार्यक्रम संयोजक डॉ. आशीष मिश्रा ने कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. कौशल दुबे ने कहा कि वेदांत की परंपरा का संदेश है सभी का मंगल होना। आदि शंकराचार्य ने आध्यात्मिक चेतना एवं सांस्कृतिक जागृति के लिए अथक कार्य किया। भारतीय संस्कृति का आधार वेद है। मुख्य अतिथि प्रोफेसर प्रियव्रत शुक्ला ने कहा कि शंकराचार्य जी सनातन धर्म के ध्वजवाहक थे। सभी शंकराचार्य ने संस्कृत के महत्व के साथ क्षेत्रीय भाषाओं को भी महत्व दिया। एकता एवं एकात्मता के लिए हमें आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक ऊर्जा के रूप में कार्य करना पड़ेगा। आपने कहा कि ब्रह्म चेतन स्वरूप है सनातन का अर्थ होता है जो सदा चलता रहे। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रोफेसर केआरएस संबाशिवा राव ने कहा की आदि शंकराचार्य ने बहुत कम आयु में आध्यात्मिक और धार्मिक चेतना के लिए वेद एवं उपनिषदों की रचना की जो सनातन धर्म का आधार है। आदि शंकराचार्य ने धार्मिक एवं आध्यात्मिक ऊर्जा के लिए भारत के चारों कोनों में धर्म पीठ स्थापित करके सनातन धर्म को स्थापित किया एवं प्रसारित किया। व्याख्यान कार्यक्रम में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा भारतीय भाषाओं के संदर्भ में प्रारंभ हुए प्रयासों के पत्रक प्रतिभागियों को वितरित किए गए। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार व्याख्यान माला के संयोजक प्रोफेसर डॉ आशीष मिश्रा ने किया। व्याख्यान कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एसपी तिवारी, प्रोफेसर राजेश शुक्ला, प्रोफेसर विकास पांडे, डॉ वंदना तिवारी, डॉ. नीरज प्रकाश राय, डॉ. दिनेश मिश्रा, रूपल ज्योतिषी, रिछाई ग्राम पंचायत के सरपंच आशीष शुक्ला, क्षेत्रीयजन एवं छात्र छात्राओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. नीता दीपावरे, डॉ. स्वाति सक्सेना, अमित दुबे एवं सत्यम सहूका का विशेष सहयोग रहा।

8 Email: atalpragatimp@gmail.com सिटी ◆ जबलपुर, बुधवार, 08 मई 2024

उच्च शिक्षा में वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली का प्रभाव एवं महत्व

विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

जबलपुर, अटल प्रगति।

कुर्मी मा
ने की प

मंगलायतन विश्वविद्यालय में पहली उड़ान प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य उद्घाटन

जबलपुर, अटल प्रगति। मंगलायतन मंगलायतन विश्वविद्यालय जबलपुर अपने शैक्षिक नवाचार को लेकर पूरे मध्य भारत में एक अग्रणी संस्थान के रूप में पिछले विगत वर्षों में उभरा है शैक्षणिक एवं शोध कार्यों को आगे बढ़ने से लेकर शिक्षा के क्षेत्र में नवागंतुकों के उत्साहवर्धन के लिए मंगलायतन विश्वविद्यालय जबलपुर में कक्षा 12वीं में उत्कृष्ट परिणाम लाने वाले छात्रों को सम्मानित करने के लिए पहली उड़ान प्रतिभा का सम्मान नामक एक श्रृंखला का आयोजन किया है, इस श्रृंखला में आने वाले 10 दिनों तक मंगलयतन विश्वविद्यालय जबलपुर में कक्षा 12वीं में उच्च अंक अर्जित करने छात्र छात्राओं को विश्वविद्यालय परिसर में सम्मानित किया जाएगा एवम आगामी उच्च शिक्षा के लिए कैरियर मार्गदर्शन विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जायेगा । इस कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय के प्रवेश विभाग द्वारा किया जा रहा है। प्रवेश विभाग के इस कार्यक्रम की संस्था के कुलगुरु प्रोफेसर के आर एस सांबशिवा राव, उपकुलगुरु प्रोफेसर विनीत कौर सलूजा, कुलसचिव डॉ बी एस नागाकिशोर एवं उप कुलसचिव डॉक्टर वंदना तिवारी, निदेशक प्रशासन डा आशुतोष सक्सेना ने सराहना की । आज के कार्यक्रम में जया मिश्रा 96.2त, हिमांशु साहू 95त, दीपांशु उपाध्याय 90त, जितेंद्र यादव 87.2त,मुस्कान 85.6त, करिश्मा पटेल 82त, कंचन नामदेव 82.8त, शालिनी काछी 82त, पंकज केवट 79त, अनुज नामदेव 78.6, स्नेह मल्हार 77.6त,खुशी नामदेव 77.6त, रिया पटेल 75.8, मोहित 75.4त,हर्ष चौधरी 72त,हर्ष पांडे 72त, साहिल 71त इन्हें सम्मानित किया गया। आज के कार्यक्रम के समन्वयक मंगलायतन विश्वविद्यालय के प्रवेश विभाग से श्री सत्यम साहू एवम श्री अमित दुबे रहे। आज के विषय विशेषज्ञ डॉ वसुजा देवी किशोर, डॉ वंदना तिवारी एवम डॉ स्वाति सक्सेना रही।

यूक्रेन-पोलेंड के विद्वानों का होगा व्याख्यान

मंगलायतन विवि में अंतराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

प्रदेश टुडे संवाददाता, जबलपुर।

27 वां एमएआई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 'इमर्जिंग ट्रेंड्स आफ कंप्यूटेशनल इंटेलिजेंस इन बिजनेस मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप विषय पर मंगलायतन विश्वविद्यालय, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ इनफर्मेशन टेक्नोलॉजी, डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग एवं मैथारथ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में फेटर एकेडमी ऑफ इंडिया के सहयोग से इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ इनफॉरमेशन एंड टेक्नोलॉजी डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग जबलपुर में 7- 8 फरवरी को किया जा रहा है। प्रथम दिवस उद्घाटन सत्र के साथ-साथ दो तकनीकी सत्र आयोजित किए जायेंगे। मुख्य अतिथि ट्रिपल आईटी डीएम के डायरेक्टर भारतेंदु सिंह होंगे। स्वागत भाषण मंगलायतन प्रोफेसर विनीत कौर सलूजा देंगी जबकि प्रो.के आर एस संबाशिवा राव द्वारा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला जाएगा। तकनीकी सत्र में यूक्रेन, रोमानिया और पोलैंड से आए हुए मुख्य वक्ताओं द्वारा व्याख्यान दिया जाएग। सत्र के समापन के उपरांत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। द्वितीय दिवस तीन सत्र होंगे। चतुर्थ सत्र में भारतीय विषय विशेषज्ञों द्वारा विषय वस्तु से संबंधित व्याख्यान प्रस्तुत किया जाएगा एवं प्रतिभागियों द्वारा शोध पत्रों की प्रस्तुति की जाएगी। शोध पत्रों का वाचन ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से किया जाएगा। जिनमें से 10 शोध विद्यार्थी विभिन्न देशों से कार्यक्रम में सम्मिलित होने आ रहे हैं, अन्य प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे।

जबलपुर, अनूपपुर, नरसिंहपुर, डिण्डोरी, सतना, मैहर, रीवा, सिंगरौली, टीकमगढ़, छतरपुर, मण्डला, सिवनी, बालाघाट एवं मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

बात आपकी कलम हमारी

अटल प्रगति

38 अधिकतम | 23 न्यूनतम
सूर्योदय 6 : 11 | सूर्यास्त 6 : 22

Email : atalpragatimp@gmail.com | atalpragati | Atal Pragati | @atalpragati2162 | @atalpragatimp | 8839948794

वर्ष-3 | अंक-33 | जबलपुर, सोमवार, 25 मार्च 2024 | RNI : MPMUL/2022/80386 | Digital Edition | पृष्ठ-8 | मूल्य : 2.00 रुपये

सनातन धर्म के ध्वजवाहक थे जगद्गुरु श्री शंकराचार्य

जबलपुर, अटल प्रगति।

जगतगुरु श्री शंकराचार्य जी के दर्शन एवं भारत की एकात्मता के लिए उनके अवदान से युवा पीढ़ी को परिचित करवाने हेतु भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ,मंगलायतन विश्वविद्यालय जबलपुर एवं विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, महाकौशल प्रांत द्वारा संयुक्त रूप से एक व्याख्यान का आयोजन मंगलायतन विश्वविद्यालय जबलपुर के मुख्य सभागार में आयोजित किया गया।

जगतगुरु श्री शंकराचार्य व्याख्यान माला के अंतर्गत मंगलायतन विश्वविद्यालय जबलपुर में शनिवार 23 3 2024 को प्रातः 11-00 बजे से एक व्याख्यान विषय -भारत की एकता एवं एकात्मता में जगतगुरु श्री शंकराचार्य जी का योगदान -पर आयोजित किया गया।

व्याख्यान कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर के आर एस संबाशिवा राव , कुलगुरु, मंगलायतन विश्वविद्यालय जबलपुर, मुख्य अतिथि प्रोफेसर प्रियव्रत शुक्ला ,पूर्व कुलगुरु,महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, छतरपुर एवं मुख्य वक्ता डॉ कौशल दुबे ,पूर्व राजपत्र अधिकारी, रक्षा मंत्रालय, विशिष्ट अतिथि मंगलायतन विश्वविद्यालय की उप कुलगुरु प्रोफेसर डॉ विनीता कौर सलूजा एवं कुल सचिव डॉ बी एस नागाकिशोर रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के तैल चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित करने के साथ हुआ । तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत शॉल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट करके किया गया। व्याख्यान माला कार्यक्रम के संयोजक डॉ आशीष मिश्रा ने कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। मंगलायतन विश्वविद्यालय जबलपुर की कुलगुरु प्रोफेसर डॉ विनीता कौर सलूजा ने स्वागत भाषण दिया।कार्यक्रम के प्रारंभ में भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष श्री जम्मू कश्मीर शास्त्री जी का शुभकामना संदेश प्रसारित किया गया एवं इसके बाद श्री श्रृंगेरी शारदा पीथम जगतगुरु श्री श्री भारतीय तीर्थ महा स्वामी जी का अनुग्रह संदेश प्रसारित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ कौशल दुबे ने कहा कि वेदांत की परंपरा का संदेश है सभी का मंगल होना। आदि शंकराचार्य ने आध्यात्मिक चेतना एवं सांस्कृतिक जागृति के लिए अथक कार्य किया। आपने कहा कि भारतीय संस्कृति का आधार वेद है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर प्रियव्रत शुक्ला ने कहा कि शंकराचार्य जी सनातन धर्म के ध्वजवाहक थे। आपने बताया कि सभी शंकराचार्य ने संस्कृत के महत्व के साथ क्षेत्रीय भाषाओं को भी महत्व दिया। एकता एवं एकात्मता के लिए हमें आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक ऊर्जा के रूप में कार्य करना पड़ेगा। आपने कहा कि ब्रह्म चेतन स्वरूप है सनातन का अर्थ होता है जो सदा चलता रहे। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रोफेसर के आर एस संबाशिवा राव, कुलगुरु मंगलायतन विश्वविद्यालय जबलपुर ने कहा की आदि शंकराचार्य ने बहुत कम आयु में आध्यात्मिक और धार्मिक चेतना के लिए वेद एवं उपनिषदो की रचना की जो सनातन धर्म का आधार है। आदि शंकराचार्य ने धार्मिक एवं आध्यात्मिक ऊर्जा के लिए भारत के चारों कोनों में धर्म पीठ स्थापित करके सनातन धर्म को स्थापित किया एवं प्रसारित किया। व्याख्यान कार्यक्रम में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा भारतीय भाषाओं के संदर्भ में प्रारंभ हुए प्रयासों के पत्रक प्रतिभागियों को वितरित किए गए ।कार्यक्रम का संचालन एवं आभार व्याख्यान माला के संयोजक प्रोफेसर डॉ आशीष मिश्रा ने किया । व्याख्यान कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एसपी तिवारी, प्रोफेसर राजेश शुक्ला, प्रोफेसर विकास पांडे, डॉ वंदना तिवारी, डॉक्टर नीरज प्रकाश राय , डॉ दिनेश मिश्रा, रूपल ज्योतिषी, रिछाई ग्राम पंचायत के सरपंच श्री आशीष शुक्ला जी, म.वि.वि. के समस्त सदस्य, क्षेत्रीयजन एवं छात्र छात्राओं की उपस्थिति रही । कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ नीता दीपावरे, डॉ स्वाति सक्सेना , अमित दुबे एवं सत्यम सहूका का विशेष सहयोग रहा।

गांव चलो अभियान पाठशाला

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

उच्च शिक्षा में वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली के प्रभाव और महत्व पर दो दिवसीय सम्मेलन

सम्यक एक्सप्रेस, जबलपुर।

भारत मंगलयान विश्वविद्यालय, भारतीय शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग के सहयोग से, उच्च शिक्षा में वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली के प्रभाव और महत्व पर एक दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन 6 एव 7 मई को मंगलयातन विश्वविद्यालय, जबलपुर में आयोजित किया जाएगा। इस दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन सुबह 10ः00 बजे से होगा। मुख्य अतिथियों में श्री प्रो. भरतशरण सिंह, मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग के अध्यक्ष, एवं प्रो. अखिलेश कुमार पांडे, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के कुलपति शामिल होंगे। सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में मंगलयातन विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. के.एस. संबाशिवा राव मौजूद रहेंगे।

इस सम्मेलन में तकनीकी और वैज्ञानिक क्षेत्र में विशेषज्ञ व्याख्यानकार शामिल होंगे, जैसे कि डॉ. एम.एल. मीणा, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के निदेशक; प्रो. एस.एस. संधु, डी.ए.वी.वी., रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के निदेशक; प्रो. रविकांत, मंगलयातन विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के डीन, जो छात्रों को तकनीकी और वैज्ञानिक शब्दावली के महत्व के बारे में जागरूक करेंगे। यह सम्मेलन छात्रों को यह समझने का मौका प्रदान करेगा कि वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली का उपयोग कैसे उनके अध्ययन और करियर में महत्वपूर्ण है। विशेषज्ञों के व्याख्यान और चर्चाओं के माध्यम से, उपस्थित लोगों को वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली के महत्व की समझ में सहायता मिलेगी।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में शामिल होने आए विदेशी मेहमानों ने किया नगर भ्रमण

भेड़ाघाट का सौंदर्य देख विदेशी रह गए अवाक

प्रदेश टुडे संवाददाता, जबलपुर। दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में शामिल होने विदेश से आए अतिथियों ने जबलपुर भ्रमण किया। भेड़ाघाट, ग्वारीघाट सहित बरगी डेम आदि देख कर विदेशी अवाक रह गए। बैलेंसिंग रॉक देख कर सभी के आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा। अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में पुर्तगाल से प्रो एलिजाबेथ, यूनिवर्सिटी ऑफ अल्गार्व, यूक्रेन की प्रो. नैना येदवा, प्रो. जॉर्जिया ओवेस, तंजानिया की प्रो. चाय पिंग पैन की गरिमामयी उपस्थिति रही। दो दिवसीय संगोष्ठी के दौरान आतिथ्य प्रबंधन में रही मंगलायतन टीम की उत्कृष्ट आत्मीयता को सभी ने सराहा एवं अपने विचार साझा किए।

आई.आई.आईटीडीएम जबलपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में कई देशों के शोधकर्ता शामिल हुए विदेशों से आए अतिथियों के आगमन से लेकर उनके रहने जबलपुर भ्रमण एवम वापिस जाने तक का ख्याल रखा गया। इस योजना की बागडोर स्वयं संस्था के निदेशक प्रशासन डॉ आशुतोष सक्सेना ने संभाली थी। इस टीम में प्रबन्धक वेद प्रकाश चौबे एवं डॉ. सुमित लोनकर, प्रदीप सिंह, आनंद सेन, मनोज शर्मा, मानन नामदेव, राजेंद्र यादव, संतोष कुमार की अहम भूमिका रही। भारत देश में अतिथि देवो भव की एक बड़ी प्राचीन विचार धारा को चरितार्थ करने पर संस्था के कुलपति प्रो के आर एस संबाशिव राव एवं उपकुलपति प्रो विनीता कौर सलूजा, कुलसचिव प्रो डी एस नागाकिशोर ने सराहना की। विदेशों से आए अतिथियों ने मंगलायतन विश्वविद्यालय एवं आईआईआईटीडीएम प्रबंधन समिति सदस्य के सदस्यों को धन्यवाद दिया एवम अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन को सराहा।

मंगलायतन विवि में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

जबलपुर, देशबन्धु। 27वां अंतरराष्ट्रीय ... इमर्जिंग ट्रेंड्स ऑफ कंप्यूटेशनल इंटेलिजें... एंटरप्रेन्योरशिप पर मंगलायतन विश्वविद्या... इनफर्मेशन टेक्नोलॉजी, डिजाइन एंड ... विश्वविद्यालय (थाईलैंड) के संयुक्त तत्वाव... इंडिया के सहयोग से इंडियन इंस्टिट्यू... टेक्नोलॉजी डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग ... सेमिनार के अंतिम दिन 8 फरवरी को चार ... सत्र ऑफलाइन, एक सत्र ऑनलाइन मोड ... से प्रो एलिजाबेथ, यूनिवर्सिटी ऑफ अल्वि... किया। इस अवसर पर कार्यक्रम का सम... डायरेक्टर ट्रिपल आईटी डीएम जबलपुर ... उदबोधन में सभी विद्वानों का शुक्रिया अद... दी। कार्यक्रम में एफएआई के जनरल से... कहामंगलायतन विश्वविद्यालय जबलपुर, पे... डीएम जबलपुर, के अथक प्रयास के बाद ...

दैनिक जागरण जबलपुर

...हित चार अस्पताल में पकड़ाया आयुष्मान फर्जीवाड़ा, लाखों का जुर्माना

कार्ड के बाद भी मरीज से वसूले गये पैसे, फिट को बीमार बताने का भी गोरखधंधा

जानकारी नहीं दी गई

पीएससी को लगाई हाइकोर्ट ने जमकर फटकार

सर्वर ने किया कई युवाओं का भविष्य खराब

ये बने क्रिकेट टूर्नामेंट की शान

आठ तक यूं ही खेलता रहेगा मौसमः यलो अलर्ट

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन

महिला अफसर ने महिला को ...

बेटियां गायब होने पर महिलाओं ने दिया धरना

उपभोक्ता जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

विधानसभा चुनाव: भाजपा ... जबलपुर से चार का पैनल गया ...

न कोई अपराधी बचे और न किसी बेगुनाह को फंसाया जाए

व्याख्यान माला का आ...

-4% ₹760 -50% ₹1,299 ₹699 -50% ₹1,199 -50% ₹1,300 NYKAA FASHION

बल,
और
जरियों
हार के
मुंबई,
नों में
हों की
े 70
चलन
नों में
ड़ रही
ा यूपी
ी ट्रेन
सायक
हाराष्ट्र
हेट में
ई तो
यात्रा

जगतगुरु शंकराचार्य ने दिया वेदांत की परम्परा का संदेश

जागरण, जबलपुर। जगतगुरु श्री शंकराचार्य के दर्शन एवं भारत की एकात्मता के लिए उनके अवदान से युवा पीढ़ी को परिचित करवाने हेतु भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ,मंगलायतन विश्वविद्यालय एवं विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, महाकोशल प्रांत द्वारा संयुक्त रूप से व्याख्यान का आयोजन मंगलायतन विश्वविद्यालय के मुख्य सभागार में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर के आर एस संबाशिवा राव , कुलगुरु, मंगलायतन विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि प्रोफेसर प्रियव्रत शुक्ला ,पूर्व कुलगुरु,महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, एवं मुख्य वक्ता डॉ कौशल दुबे ,पूर्व राजपत्र अधिकारी, रक्षा मंत्रालय, विशिष्ट अतिथि मंगलायतन विश्वविद्यालय की उप कुलगुरु प्रोफेसर डॉ विनीता कौर सलूजा एवं कुल सचिव डॉ बी एस नागाकिशोर रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के तैल चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित करने के साथ हुआ । तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत शॉल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट करके किया गया। व्याख्यान माला कार्यक्रम के संयोजक डॉ आशीष मिश्रा ने कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। मंगलायतन विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रोफेसर डॉ विनीता कौर सलूजा ने स्वागत भाषण दिया।कार्यक्रम के प्रारंभ में भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष जम्मू कश्मीर शास्त्री का शुभकामना व इसके बाद श्री श्रृंगेरी शारदा पीठ जगतगुरु श्री श्री भारतीय तीर्थ महा स्वामी जी का अनुग्रह संदेश प्रसारित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ कौशल दुबे ने कहा कि वेदांत की परंपरा का संदेश है सभी का मंगल होना। प्रोफेसर प्रियव्रत शुक्ला ने कहा कि शंकराचार्य जी सनातन धर्म के ध्वजवाहक थे। आपने बताया कि सभी शंकराचार्य ने संस्कृत के महत्व के साथ क्षेत्रीय भाषाओं को भी महत्व दिया। एकता एवं एकात्मता के लिए हमें आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक ऊर्जा के रूप में कार्य करना पड़ेगा।

व्याख्यान में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा भारतीय भाषाओं के संदर्भ में प्रारंभ हुए प्रयासों के पत्रक प्रतिभागियों को वितरित किए गए । संचालन एवं आभार व्याख्यान माला के संयोजक प्रोफेसर डॉ आशीष मिश्रा ने किया ।

व्याख्यान कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एसपी तिवारी, प्रोफेसर राजेश शुक्ला, प्रोफेसर विकास पांडे, डॉ वंदना तिवारी, डॉक्टर नीरज प्रकाश राय , डॉ दिनेश मिश्रा, रूपल ज्योतिषी, कर्मचारीगण, क्षेत्रीय जन एवं छात्र छात्राओं की उपस्थिति रही । कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ नीता दीपावरे, डॉ स्वाति सक्सेना , अमित दुबे एवं सत्यम सहूका का विशेष सहयोग रहा।

शिक्षा और उद्योग के लिए एमओयू

मंगलायतन और सौभाग्य बायोटेक अवसरों के लिए मिलकर चलेंगे

प्रदेश टुडे संवाददाता, जबलपुर।

मंगलायतन विश्वविद्यालय ने हैदराबाद, तेलंगाना स्थित सौभाग्य बायोटेक के साथ एक समझौते के हस्ताक्षर की घोषणा की है। यह महत्वपूर्ण सहयोग शिक्षा और उद्योग के बीच समर्थ छात्रों को सशक्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। एमओयू की शर्तों के अनुसार, सौभाग्य बायोटेक हर साल 10 से 15 छात्रों को प्रशिक्षण देगा जिसमें परियोजना कार्य और कार्यक्रम की भागीदारी शामिल है। व्यावहारिक कौशल और उद्योग की दृष्टि से ये महत्वपूर्ण है।

समझौते के तहत, मंगलायतन विश्वविद्यालय के छात्रों को सौभाग्य बायोटेक के उत्कृष्ट संस्थानों और प्रयोगशालाओं में, परियोजनाओं और गतिविधियों में शामिल होने का अवसर होगा। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने छात्रों के प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने पर उनके रोजगार के लिए स्थानांतरण को सुनिश्चित करने का वादा किया है, जिससे कृषि क्षेत्र में उनकी अर्थपूर्ण रोजगार की संभावनाएं बढ़ जाएं।

मंगलायतन विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर के. आर.एस. सम्बशिवा राव ने इस साझेदारी पर कहा कि हम सौभाग्य बायोटेक के साथ सहयोग करके खुश हैं। यह कृषि जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक प्रसिद्ध एवं विश्व स्तरीय संस्थान है। यह सहयोग हमारे छात्रों को पूर्णविकासी शिक्षा और वास्तविक दुनिया के अनुभवों के साथ सशक्त करने के हमारे प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो उन्हें कृषि उद्योग में सफल करियर बनाने हेतु दिशा प्रदान करता है। इस अवसर पर उप कुलपति प्रो विनीता कौर सलूजा ने हर्ष व्यक्त किया। संस्था के कुलसचिव डॉ बी नागाकृष्णा, उप कुलसचिव डॉ वंदना तिवारी, निदेशक प्रशासन डॉ आशुतोष सक्सेना , कृषि विभाग प्रमुख डॉ एस पी तिवारी जी ने आभार व्यक्त किया ।

सनातन धर्म के ध्वजवाहक थे जगद्गुरु शंकराचार्य

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जगतगुरु श्री शंकराचार्य जी के दर्शन एवं भारत की एकात्मता के लिए उनके अवदान से युवा पीढ़ी को परिचित करवाने हेतु भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ,मंगलायतन विश्वविद्यालय जबलपुर एवं विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, महाकौशल प्रांत द्वारा संयुक्त रूप से एक व्याख्यान का आयोजन मंगलायतन विश्वविद्यालय जबलपुर के मुख्य सभागार में आयोजित किया गया।

जगतगुरु श्री शंकराचार्य व्याख्यान माला के अंतर्गत मंगलायतन विश्वविद्यालय जबलपुर में शनिवार 23 3 2024 को प्रात: 11:00 बजे से एक व्याख्यान विषय भारत की एकता एवं एकात्मता में जगतगुरु श्री शंकराचार्य जी का योगदान पर आयोजित किया गया।

व्याख्यान कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर के आर एस संबाशिवा राव , कुलगुरु, मंगलायतन विश्वविद्यालय जबलपुर, मुख्य अतिथि प्रोफेसर प्रियव्रत शुक्ला ,पूर्व कुलगुरू,महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, छतरपुर एवं मुख्य वक्ता डॉ कौशल दुबे ,पूर्व राजपत्र अधिकारी, रक्षा मंत्रालय, विशिष्ट अतिथि मंगलायतन विश्वविद्यालय की उप कुलगुरु प्रोफेसर डॉ विनीता कौर सलूजा एवं कुल सचिव डॉ बी एस नागाकिशोर रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के तैल चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित करने के साथ हुआ । तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत सॉल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट करके किया गया। व्याख्यान माला कार्यक्रम के संयोजक डॉ आशीष मिश्रा ने कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। मंगलायतन विश्वविद्यालय जबलपुर की कुलगुरु प्रोफेसर डॉ विनीता कौर सलूजा ने स्वागत भाषण दिया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष श्री जम्मू कश्मीर शास्त्री जी का शुभकामना संदेश प्रसारित किया गया एवं इसके बाद श्री श्रृंगेरी शारदा पीथम जगतगुरु श्री श्री भारतीय तीर्थ महा स्वामी जी का अनुग्रह संदेश प्रसारित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ कौशल दुबे ने कहा कि वेदांत की परंपरा का संदेश है सभी का मंगल होना। आदि शंकराचार्य ने आध्यात्मिक चेतना एवं सांस्कृतिक जागृति के लिए अथक कार्य किया। आपने कहा कि भारतीय संस्कृति का आधार वेद है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर प्रियव्रत शुक्ला ने कहा कि शंकराचार्य जी सनातन धर्म के ध्वजवाहक थे। आपने बताया कि सभी शंकराचार्य ने संस्कृत के महत्व के साथ क्षेत्रीय भाषाओं को भी महत्व दिया। एकता एवं एकात्मता के लिए हमें आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक ऊर्जा के रूप में कार्य करना पड़ेगा। आपने कहा कि ब्रह्म चेतन स्वरूप है सनातन का अर्थ होता है जो सदा चलता रहे।

कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रोफेसर के आर एस संबाशिवा राव, कुलगुरु मंगलायतन विश्वविद्यालय जबलपुर ने कहा की आदि शंकराचार्य ने बहुत कम आयु में आध्यात्मिक और धार्मिक चेतना के लिए वेद एवं उपनिषदो की रचना की जो सनातन धर्म का आधार है। आदि शंकराचार्य ने धार्मिक एवं आध्यात्मिक ऊर्जा के लिए भारत के चारों कोनों में धर्म पीठ स्थापित करके सनातन धर्म को स्थापित किया एवं प्रसारित किया। व्याख्यान कार्यक्रम में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा भारतीय भाषाओं के संदर्भ में प्रारंभ हुए प्रयासों के पत्रक प्रतिभागियों को वितरित किए गए ।कार्यक्रम का संचालन एवं आभार व्याख्यान माला के संयोजक प्रोफेसर डॉ आशीष मिश्रा ने किया ।

व्याख्यान कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एसपी तिवारी, प्रोफेसर राजेश शुक्ला, प्रोफेसर विकास पांडे, डॉ वंदना तिवारी, डॉक्टर नीरज प्रकाश राय , डॉ दिनेश मिश्रा, रूपल ज्योतिषी, कर्मचारीगण, क्षेत्रीय जन एवं छात्र छात्राओं की उपस्थिति रही ।

कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ नीता दीपावरे, डॉ स्वाति सक्सेना , अमित दुबे एवं सत्यम सहूका का विशेष सहयोग रहा।

मंगलायतन विश्वविद्यालय के एनएसएस इकाई द्वारा अयोजित सात-दिवसीय शिविर

सत्तावादी रिपोर्टर • इंदौर

मंगलायतन विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (रा. से. यो.) इकाई द्वारा आयोजित सात-दिवसीय शिविर का आज छठवें दिन दिन रहा, जिसमें सभी स्वयं सेवकों ने मिलकर ग्राम जमुनिया में बहुत ही रोचक पहल किए हैं, ग्राम में भ्रमण कर स्थानीय लोगों के आस-पास के परिसर को स्वच्छ बनाने के लिए ग्रामीणों को जानकारी प्रदान की गई और साथ ही साथ साफ-सफाई में अपना हाथ भी बटाया जिससे स्थानीय लोग बहुत प्रभावित हुए, और एनएसएस वॉलिंटियर्स के द्वारा लोग कैसे व्यवसाय के क्षेत्र में अपना योगदान दें और पीएम मोदी के उद्देश्य को लेकर कैसे लोग साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में जागरूक हो इसके लोगों को जानकारी दी साथ ही साथ सेवकों ने कंप्यूटर साइंस डिपार्टमेंट के छात्र एवम् छात्राएं ने क्राइम इन्वेस्टिगेशन के बारे में जानकारी दी, हमने ग्राम जमुनिया में आकर क्राइम के बारे में हमने जानकारी दी जिससे हमने उन्हें बताया किसके बाद उस जगह को कुछ भागों में डिवाइड करते हैं जिससे उस जगह पर अच्छे से जाँच कर उस जगह से मूल्य साक्ष्य इकट्ठा कर सके, इसके बाद कंप्यूटर साइंस भेजते हैं जिससे उस किये गये अपराध के बारे में जानकारी प्राप्त कर इन्वेस्टिगेशन में एविडेंस के रूप में इस्तेमाल किये जाते हैं।

लोगों द्वारा पूछे गये सवाल

1. हम आपको जानकारी कैसे दे?

जवाब- पुलिस के द्वारा आप जानकारी दे सकते हैं या आप टोल-फ्री का नंबर 1930 उपयोग कर भी आप जानकारी दे सकते हैं।

2. क्या इसमें हमारे पैसे खर्च होते हैं या सरकार इसके पैसे खर्च करती है ?

जवाब- इसमें अपने द्वारा किसी प्रकार का कोई भी पैसा नहीं लगता है ये सभी काम सरकार की होती है।

मंगलायतन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.आर.एस. सम्बाशिवा राव एवं उपकुलपति प्रोफेसर विनीता कौर सलूजा, कुलसचिव बी.एस. नागा किशोर, सभी प्राध्यापकगण एवं विश्वविद्यालय के कर्मचारियों द्वारा सहयोग किया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर प्रकाश मिश्रा, सह-समन्वयक शिवानी शर्मा चौहान, डॉ पहाड़िया जी उनकी टीम ने मलेरिया की जानकारी दी ऐश्वर्या शर्मा डॉ वंदना तिवारी डॉक्टर आराधना सिंह डॉक्टर सुशील कुमार यादव डॉक्टर अखिल तिवारी अवनीश राजपूत आदि के मार्गदर्शन में कार्यक्रम संपन्न हुआ। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक छात्र-छात्राएं, एनएसएस अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार शाह, उपाध्यक्ष प्रशांत पटेल, सचिव हुकुम लाल मार्को, जी के साथ पूजा, राधिका, स्वाति साहू , अंकिता मराठी, प्रियंका ठाकुर, महक, अभिजेय, अभिषेक , अमित आदि। सभी छात्र-छात्राएं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाना है तो लगाने होंगे पौधे...

दैनिक भास्कर द्वारा पौधे अपने परिजन अभियान के अंतर्गत स्मॉल वंडर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बच्चों ने पौधे लगाए, सीड बॉल बनाना भी सीखा

पौधे अपने परिजन

बताया पौधों का महत्व और खूबियां

प्लांटेशन जरूरी है

शिफा इरशाद, स्टूडेंट

मिलती है ऑक्सीजन

उत्कर्ष साहू, स्टूडेंट

सीड बॉल में नहीं आने चाहिए क्रेक्स

केयरिंग भी जरूरी

सीड बॉल बनाए

हरे-भरे पौधों से रहेगा हमारा जीवन भी खुशहाल

दैनिक भास्कर के पौधे अपने परिजन के अंतर्गत हुआ पौधारोपण, डीपीएस नागपुर रोड में हुई वर्कशॉप में बच्चों ने सीखा परफेक्ट सीड बॉल बनाना

पौधे अपने परिजन

बच्चों ने सीखा कुछ नया

पेड़ों के बारे में भी जाना

रोचक रही वर्कशॉप

खुशी पटेल, स्टूडेंट

दूसरों को भी करूंगा प्रेरित

कृष्णा शुक्ला, स्टूडेंट

हर एक बॉल में एक बीज रखें

भास्कर कॉर्पोरेट कप क्रिकेट प्रतियोगिता

फार्मा कम्बाइंड, मंगलायतन विवि व फार्मा ब्वॉयज सेफा में

जबलपुर। दैनिक भास्कर कॉर्पोरेट कप क्रिकेट प्रतियोगिता में फार्मा ब्वॉयज, मंगलायतन यूनिवर्सिटी और फार्मा कम्बाइंड की टीम ने क्वार्टर फाइनल मैचों में जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। रेलवे स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता के पहले क्वार्टर फाइनल मैच में फार्मा ब्वॉयज के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए पश्चिम मध्य रेलवे (पमरे) की टीम ने निर्धारित 10 ओवर में 7 विकेट खोकर 53 रन बनाए। अभिषेक ने 14 व कुंदन ने 13 रन का योगदान दिया। महेश ने 2 विकेट लिए। जवाब में फार्मा ब्वॉयज ने 9.1 ओवर में 6 विकेट खोकर 57 रन बनाकर 4 विकेट से जीत दर्ज की। सौरभ ने 21 व अभिषेक यादव ने नाबाद 17 रन बनाए। असलम ने 2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच अभिषेक यादव रहे।

मुख्य अतिथि रॉयल स्कूल के डायरेक्टर आरएस चौहान ने बैटिंग कर मैच शुरू कराया।

• दीपक बने मैन ऑफ द मैच

दूसरे मैच में मंगलायतन यूनिवर्सिटी ने स्टार महिन्द्रा को 26 रन से पराजित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए मंगलायतन यूनिवर्सिटी ने 101 रन बनाए। दीपक यादव ने 28 व रेहान ने 20 रन का योगदान दिया। स्टार महिन्द्रा के मोहित ने 5 विकेट चटकाए। जवाब में स्टार महिन्द्रा की टीम 7 विकेट खोकर 75 रन ही बना पायी। मोनू ने 22 व रितिक ने नाबाद 15 रन बनाए। लकी पटेल ने 3 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच दीपक यादव रहे।

• ये रहे अतिथि | रविवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मैचों के मुख्य अतिथि बड़ेरिया मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. राजीव बड़ेरिया, रॉयल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के डायरेक्टर आरएस चौहान और सुदर्शन मोटर्स के डायरेक्टर परमजीत सिंह बसूर रहे।

• नियाज की शानदार बल्लेबाजी | अंतिम क्वार्टर फाइनल मैच में फार्मा कम्बाइंड ने बैकर्स इलेवन को 21 रन से शिकस्त दी। नियाज के 45, अतुल [illegible] व जिया के 29-29 रन की मदद से फार्मा कम्बाइंड ने 4 विकेट खोकर 116 रन बनाए। जवाब में बैकर्स इलेवन की टीम 4 विकेट खोकर 95 रन ही बना पायी। अतुल ने 36 व अंकित ने नाबाद 21 रन का योगदान दिया। अंकित मेहता ने 2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच नियाज रहे।

• मैचों के अम्पायर | रविवार को को खेले गए मैचों के अम्पायर [illegible] पटेल, अंकित यादव, संदीप बर्मन, प्रफुल्ल रैकवार, आयुष चौधरी, अशोक सिंह तथा स्कोरर राहुल रहे।

आज लगाया पौधा, हमारा कल बनाएगा बेहतर

दैनिक भास्कर के पौधे अपने परिजन अभियान के अंतर्गत बिलाबांग स्कूल में आयोजित हुई पौधारोपण एवं सीड बॉल मेकिंग वर्कशॉप, बच्चों ने लिया प्रकृति को हरा-भरा बनाने का संकल्प

बच्चों को नेचर से जोड़ने की बेहतरीन कोशिश

प्रकृति को सहेजने के लिए हर एक व्यक्ति को जागरूक होना चाहिए। बिलाबांग स्कूल की संचालिका अनीता मालपाणी ने कहा कि दैनिक भास्कर की यह पहल बच्चों को नेचर के प्रति अवेयर करने की बेहतरीन कोशिश है। इससे बच्चों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति अवेयरनेस आएगी। वे पौधे लगाकर उन्हें संरक्षित करना भी सीखेंगे। बच्चे जब अपने हाथों से पौधे लगाएँगे, तो वे इसका महत्व भी जानेंगे। इस दौरान प्राचार्य सायमा खान उपस्थित रहीं।

पौधे अपने परिजन

सिटी रिपोर्टर, जबलपुर। आज लगाए पौधे ही आगे चलकर हमें स्वच्छ वातावरण देंगे। हर एक पौधा प्रकृति के लिए अनमोल है। इस उद्देश्य से दैनिक भास्कर द्वारा पौधे अपने परिजन अभियान के अंतर्गत सीड बॉल मेकिंग वर्कशॉप का आयोजन बिलाबांग स्कूल में हुआ। जहाँ स्टूडेंट्स ने सीड बॉल बनाने के साथ इसका उपयोग कहाँ और कैसे करना है, इसके बारे में भी जाना। स्टूडेंट्स ने कैम्पस में औषधीय पौधे लगाए। विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों को सीड बॉल बनाने का सही तरीका भी समझाया।

शेड में सुखाएँ बीज और बॉल्स

सीड बॉल बनाने के लिए बीज को घर पर तैयार कर सकते हैं। इन बीजों को सनलाइट में नहीं, बल्कि शेड के नीचे सुखाना चाहिए। मंगलायतन यूनिवर्सिटी के डीन फैकल्टी इन एग्रीकल्चर डॉ. सुरेश पी. तिवारी ने बच्चों को बताया कि सीड बॉल बनाने के लिए उपयुक्त मिट्टी की जरूरत होती है। बॉल बनाते वक्त मिट्टी उतनी ही गिली होनी चाहिए जो हाथों में चिपके ना। फिर इन्हें शेड के नीचे सुखाना चाहिए। इन बॉल्स को पहाड़ों और मैदानों में थ्रो करना चाहिए। वर्कशॉप में रूपल ज्योतिषी भी उपस्थित रहे। (इम्पैक्ट फीचर)

सीखा पौधे लगाने का सही तरीका

वर्कशॉप में मैंने जाना कि केवल मिट्टी में पौधा लगा देने से बात नहीं बनती, बल्कि इसकी भी एक प्रोसेस होती है। यहाँ पर सीखी प्रोसेस को फॉलो करते हुए मैं भी पौधे लगाऊँगी और सीड बॉल तैयार करूँगी।
गौरांगी भनोट, स्टूडेंट

मिलेगा अच्छा वातावरण

पौधे हमारे लिए बहुत जरूरी है। आज जब पौधे लगाएँगे, तभी हमें आगे चलकर एक अच्छा वातावरण मिलेगा। यह जानकारी मिलने के बाद मेरा भी इंट्रेस्ट प्लांटेशन में बढ़ गया है। ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाऊँगी।
अनिका अवस्थी, स्टूडेंट

पौधों की सुरक्षा का संकल्प

वर्कशॉप में सीड बॉल बनाना सीखा, साथ ही हमने पौधे लगाकर उसकी देखभाल करने का संकल्प भी लिया। स्कूल में भी हर शनिवार को ईको-क्लब के साथ मिलकर पौधारोपण करते हैं।
अनय अग्रवाल, स्टूडेंट

शहर को बनाना है हरा-भरा

एक्सपर्ट ने बड़ी रोचकता के साथ सीड बॉल बनाना सिखाया। हमने भी मिलकर शहर को हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया, ताकि प्रकृति प्रदूषण मुक्त हो सके। पौधे लगाकर बहुत अच्छा लगा।
रेयांश जिवानी, स्टूडेंट

दैनिक भास्कर - 26/7/24

दैनिक भास्कर 'पौधे अपने परिजन' अभियान के अंतर्गत हुआ पौधारोपण व सीड बॉल मेकिंग वर्कशॉप, ब्रिटिश फोर्ट फाउंडेशन स्कूल के विद्यार्थियों ने लगाए पौधे, बच्चों ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण में देंगे पूरा सहयोग

एनवायरमेंट को हेल्दी बनाना है तो प्लांटेशन जरूरी...

सिटी रिपोर्टर। जबलपुर

शहर को हरा-भरा बनाना है तो पौधारोपण बेहद जरूरी है। पर्यावरण की सुरक्षा हम सबका दायित्व है...। आज हर एक व्यक्ति को प्लांटेशन करना चाहिए। इसी उद्देश्य से दैनिक भास्कर द्वारा 'पौधे अपने परिजन' अभियान के अंतर्गत सीड बॉल मेकिंग वर्कशॉप का आयोजन शनिवार को ब्रिटिश फोर्ट फाउंडेशन स्कूल में किया गया। जहाँ स्टूडेंट्स ने सीड बॉल बनाने का सही तरीका एक्सपर्ट से जाना, तो फलदार जामुन के पौधे भी कैम्पस में लगाए। वहीं स्टूडेंट्स ने पौधा लगाने का संकल्प भी लिया।

सीड्स बॉल बनाना सिखाया • स्टूडेंट्स को सीड बॉल बनाने का सही तरीका बताया गया। ... (इम्पैक्ट फीचर)

पर्यावरण संरक्षण के लिए प्लांट्स बेहद जरूरी

पौधे अपने परिजन

वैभव कुठारी, स्टूडेंट

सचिन गुप्ता, स्टूडेंट

श्रिया तिवारी, स्टूडेंट

अनुष्का सिंह, स्टूडेंट

City भास्कर

21/06/24

दैनिक भास्कर एजुकेशन फेयर का शुभारंभ, पहले दिन अभिभावकों के साथ पहुँचे विद्यार्थी, कैरियर को लेकर विशेषज्ञों से मिला मार्गदर्शन

'ब्राइट फ्यूचर' के लिए राइट गाइडेंस

सिटी रिपोर्टर, जबलपुर। यदि मुझे एमबीए करना है तो क्या रोज कॉलेज आना जरूरी है? बेटी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही है तो क्या वह इसके साथ एमबीए कर सकती है? क्या जॉब कंटीन्यू रखते हुए एमबीए कर सकते है? कुछ ऐसे ही प्रश्नों के उत्तर पैरेन्ट्स और स्टूडेंट्स को मिले। जी हाँ, सिविक सेंटर, विशम्भर भवन स्थित दैनिक भास्कर कार्यालय में दैनिक भास्कर के एजुकेशन फेयर 2024 का शुभारंभ गुरुवार को हुआ। जिसमें विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ पहुँचे। फेयर में स्टूडेंट्स को एक ही छत के नीचे विभिन्न इंस्टीट्यूट्स, कॉलेज, यूनिवर्सिटीज और स्कूल के एक्सपर्ट्स ने गाइड किया। 23 जून तक जारी इस फेयर में छात्र-छात्राएँ पहुँचकर मन की दुविधाओं को दूर कर सकते हैं।

दैनिक भास्कर EDUCATION FAIR 20 से 23 जून 2024 JABALPUR

लकी ड्रॉ भी

फेयर की खास बात यह है कि यहाँ विजिट करने वाले छात्रों और अभिभावकों के लिए हर दिन विशेष लकी ड्रॉ भी निकाला जा रहा है, जो कि उनको पुरस्कार जीतने का भी अवसर प्रदान कर रहा है।

फेयर स्टूडेंट्स को कैरियर के सही विकल्प चुनने में मददगार साबित होगा, स्टूडेंट्स एजुकेशन फेयर में निःशुल्क रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

रजिस्ट्रेशन के लिए QR कोड स्कैन करें

दे रहे मार्गदर्शन

फेयर में मंगलायतन यूनिवर्सिटी, महाकौशल यूनिवर्सिटी, एकेएस यूनिवर्सिटी सतना, बड़ेरिया ग्लोबल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट, विजयश्री आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, सेंट जेवियर ग्रुप ऑफ स्कूल्स, ज्ञान गंगा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट, ओरिएण्टल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट, श्रीराम ग्रुप जबलपुर, रवीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी, आईमेक्ट एकेडमी फॉर एनिमेशन मल्टीमीडिया एंड गेमिंग, एलएनसीटी ग्रुप ऑफ कॉलेज के एक्सपर्ट्स का मार्गदर्शन मिल रहा है।

दीप प्रज्ज्वलन से शुभारंभ

एजुकेशन फेयर में दीप प्रज्ज्वलन महाकौशल यूनिवर्सिटी के शिशिर तिवारी, विजयश्री आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के चेयरमैन राजेश स्थापक, एकेएस यूनिवर्सिटी सतना के मनीष खत्री, मंगलायतन से रूपल ज्योतिषी और डॉ. मनोज झारिया, ज्ञान गंगा से विजय करमाकर, ओरिएण्टल ग्रुप के कर्नल पी.के. वैद्य, आईमेक्ट से निशांत श्रीवास्तव ने किया।

दी प्लेसमेंट से रिलेटेड जानकारी

मंगलायतन यूनिवर्सिटी से सत्यम साहू ने बताया कि उन्होंने विजिटर्स को यूनिवर्सिटी के सभी कोर्स से संबंधित जानकारी दी। वहीं वे कोर्स करके उन्हें कौन सी कंपनी में प्लेसमेंट मिल सकता है, यह भी बताया। उन्होंने गवर्नमेंट कंपनी में प्लेसमेंट, प्राइवेट कंपनी में प्लेसमेंट और बिजनेस ओरिएण्टेड की जानकारी दी, साथ ही स्टूडेंट्स ने यह भी जाना कि क्या एक कोर्स करके वे इन तीनों जगहों के लिए खुद को तैयार कर सकते हैं।पी-2

City भास्कर

CITY SPORTS/ACTIVITY

भास्कर कॉर्पोरेट कप पर फार्मा ब्वॉयज का कब्जा

फाइनल में मंगलायतन यूनिवर्सिटी को 6 विकेट से शिकस्त दी

जबलपुर। फार्मा ब्वॉयज ने फाइनल में मंगलायतन यूनिवर्सिटी को 6 विकेट से पराजित कर दैनिक भास्कर कॉर्पोरेट कप पर कब्जा किया।

रेलवे स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता में फार्मा ब्वॉयज ने टॉस जीतकर फील्डिंग करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए मंगलायतन यूनिवर्सिटी ने निर्धारित 10 ओवर में 6 विकेट खोकर 80 रन बनाए। नितिन सागर ने 27, मुशाहिद व दीपक यादव ने 18-18 रन का योगदान दिया। फार्मा ब्वॉयज की ओर से रोमिल यादव ने 2 विकेट लिए। जवाब में खेलने उतरी फार्मा ब्वॉयज की टीम के शुरुआती दो विकेट बिना खाता खोले ही गिर गए थे। इसके बाद विकास यादव और पंकज ने पारी को संभालते हुए 33 रन की साझेदारी की और टीम को वापस मैच में ला दिया। विकास यादव के 36 व पंकज के 19 रन की बदौलत फार्मा ब्वॉयज ने 4 विकेट खोकर 81 रन बनाकर जीत दर्ज की। मंगलायतन यूनिवर्सिटी की ओर से परिमल गुप्ता ने 2 विकेट लिए। समापन समारोह के मुख्य अतिथि कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कृत किया। अध्यक्षता दैनिक भास्कर के कार्यकारी संपादक अजीत सिंह ने की। इससे पूर्व मुख्य अतिथि का स्वागत मार्केटिंग के सीनियर जनरल मैनेजर केसी शर्मा ने किया। संचालन इस्लाम खान ने किया।

विजेता टीम फार्मा ब्वॉयज को कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन ने पुरस्कृत किया।

दीपक रहे बेस्ट बल्लेबाज।

बेस्ट गेंदबाज महेश आर्य।

मैन ऑफ द मैच विकास रहे।

प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट मुशाहिद।

मैचों के अम्पायर

प्रतियोगिता में विभिन्न मैचों के अम्पायर पंड्या पॉल, अंकित यादव, संदीप बर्मन, प्रफुल रैकवार, आयुष चौधरी, अशोक सिंह व स्कोरर रौनक व्हाइट तथा कमेंटेटर इस्लाम खान और मुजफ्फर खान रहे।

क्रिकेट मेरा पसंदीदा खेल है : कलेक्टर

यह शहर मेरे लिए नया नहीं है। एक आईएएस ऑफिसर के रूप में यह शहर मेरा जन्म स्थान है, क्योंकि यहां मेरा प्रशिक्षण हुआ है। 10 साल के अंतराल के बाद यहां कलेक्टर के रूप में आना मेरे लिए गौरव की बात है। क्रिकेट मेरा पसंदीदा खेल है, यूपीएससी के फार्म में हॉबी के रूप में भी मैंने क्रिकेट ही लिखा था। उक्त बातें दैनिक भास्कर कॉर्पोरेट कप क्रिकेट प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में कलेक्टर सौरभ के. सुमन ने कहीं। श्री सुमन ने प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाली सभी टीमों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जीवन भी क्रिकेट के खेल की तरह ही है, जहां उतार-चढ़ाव आते रहते हैं।

उत्सव सा रहा माहौल - फाइनल मैच का लुत्फ उठाने अच्छी खासी तादाद में दर्शक मौजूद रहे। मंगलायतन विवि के विद्यार्थी, शिक्षक व उनके साथ मौजूद समर्थक सीटी बजाकर मैच का आनंद ले रहे थे और हर चौके-छक्के पर बज रहे ढोल की आवाज पर नाच रहे थे, वहीं फार्मा ब्वॉयज के समर्थक भी ढोल पर नाचते नजर आए।

डेंटल हेल्थ के प्रति किया अवेयर

दैनिक भास्कर - 15/03/24

स्वयंसेवकों ने परिसर को स्वच्छ रखने दिया सहयोग

दैनिक भास्कर - 19/03/24

तकनीकी शब्दों को बोलचाल की भाषा में भी शामिल करें

दैनिक भास्कर - 08 मई - 2024

vada JABALPUR ■ Thursday ■ June 13 ■ 2024

Mangalayatan University excels in SDGs category in Impact Rankings 2024

■ Staff Reporter

MANGALAYATAN University has bagged ranks in Sustainable Development Goals (SDGs) category in the Impact Rankings 2024. There are 17 SDGs as part of the United Nations (UN's) 2030 Agenda for Sustainable Development. Mangalayatan University has bagged a rank in the band of 1001-1500 out of 2152 institutions selected globally from 125 countries/regions for the overall rankings. Mangalayatan University secured 61 Rank out of 96 institutions selected from India by securing Ranks in 17 out of 17 Sustainable Development Goals (SDGs). It may be mentioned that London based, world's most reputed rankings organization THE (Times Higher Education) has released the impact rankings 2024, measuring how an institutions research, outreach and stewardship are delivering against the United Nations SDGs. Mangalayatan University Jabalpur Vice-Chancellor Prof. K. R. S. Sambasiva Rao said that he was elated by the result amidst in the whole world. As the Impact Rankings 2024 will play an important role in helping Universities and other higher education institutions assess their progress towards achieving the UN SDGs and in motivating them to integrate these goals into their curriculum.

The Hitavada - 13/06/2024

मंगलायतन विवि व फार्मा ब्वॉयज में होगी खिताबी भिड़ंत

भास्कर कॉर्पोरेट कप क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल आज

जबलपुर। दैनिक भास्कर कॉर्पोरेट कप क्रिकेट प्रतियोगिता में मंगलायतन यूनिवर्सिटी और फार्मा ब्वॉयज के बीच खिताबी भिड़ंत होगी। सेमीफाइनल मैचों में मंगलायतन यूनिवर्सिटी ने नर्मदा जिलेटिन को 40 रन से तथा फार्मा ब्वॉयज ने फार्मा कम्बाइंड की टीम को 9 विकेट से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबला 28 फरवरी को दोपहर 1.30 बजे से खेला जाएगा। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन होंगे।

रेलवे स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता के पहले सेमीफाइनल में फार्मा कम्बाइंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट खोकर मात्र 42 रन बनाए। जिया ने नाबाद 16 रन का योगदान दिया। फार्मा ब्वॉयज की ओर से शुभम प्रजापति व अभिषेक ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में फार्मा ब्वॉयज ने 4.2 ओवर में 1 विकेट खोकर 43 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। सोबरन ने 18 गेंद पर 32 रन की पारी खेली। फार्मा कम्बाइंड के अमित शर्मा ने एक विकेट लिया। मैन ऑफ द मैच शुभम प्रजापति रहे।

मैच के मुख्य अतिथि भारतीय स्टेट बैंक के एजीएम जी विवेकानंद गिरि व अर्जुन अवॉर्डी मधु यादव खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए।

दूसरे मैच के मुख्य अतिथि होटल नर्मदा जैक्सन के डायरेक्टर अमित जडूजा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया।

मैच के मुख्य अतिथि इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के डिवीजनल रिटेल हेड सुधीर विक्रम सिंह ने बल्लेबाजी कर मैच प्रारंभ कराया।

मैचों के अम्पायर| सोमवार को खेले गए मैचों के अम्पायर एंड्रयु पॉल, अंकित यादव, संदीप बर्मन, प्रफुल रैकवार, आयुष चौधरी, अशोक सिंह व स्कोरर रॉन क्राइट तथा कमेंटेटर इस्लाम खान और मुजफ्फर खान रहे।

सेमीफाइनल मैचों में दिखा गजब का उत्साह

- हार-जीत की परवाह किए बिना चारों टीमों के खिलाड़ियों ने जमकर एंजॉय किया।
- हर चौके-छक्के पर बजी सीटी-तालियां व ढोल पर नाचे खिलाड़ी. किसी पर्व सा माहौल नजर आया।
- दर्शक दीर्घा में विद्यार्थियों, महिलाओं के साथ बच्चे भी नजर आए, जिन्होंने मैच का लुत्फ उठाया।

• राजा का ऑलराउंड प्रदर्शन| दूसरे सेमीफाइनल में मंगलायतन यूनिवर्सिटी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 92 रन बनाए। दीपक और राजा ने 22-22 तथ मुशाहिद ने 11 रन का योगदान दिया। नर्मदा जिलेटिन की ओर से इमरान ने 3 विकेट चटकाए। जवाब में नर्मदा जिलेटिन की टीम 9 विकेट खोकर 52 रन ही बना पायी और उसे 40 रन से हार का सामना करना पड़ा। हीरा ने 14 व राजू ने 10 रन बनाए। मंगलायतन यूनिवर्सिटी की ओर से मयूर ने 3 और राजा ने 2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच राजा रहे।